



चम्पारण ज्ञानाग्रह



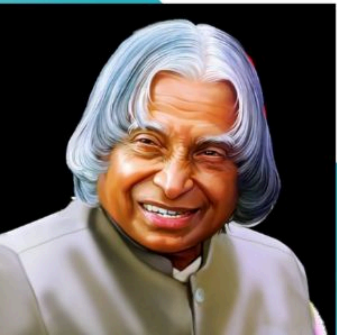
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 16 अक्टूबर 2026, अंक -381.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"इंसानियत से बड़ा कोई मजहब नहीं।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org





Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूँ ही मेरे बतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम गरीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जड़फों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारङ्ग प्रतिमा गङ्गि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. नामीबिया की राजधानी क्या है?

उत्तर: विंडहोक

प्रश्न 2. भारत में नोबेल पुरस्कार पाने वाले पहले व्यक्ति कौन थे?

उत्तर: रवीन्द्रनाथ टैगोर

प्रश्न 3. 'डांडिया रास' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनृत्य परंपरा है?

उत्तर: गुजरात

प्रश्न 4. 10, 12 और 15 का गुणनफल कितना होगा?

उत्तर: 60

प्रश्न 5. बिहार का 'वाल्मीकि आश्रम' किस क्षेत्र में स्थित है?

उत्तर: वाल्मीकिनगर (पश्चिमी चम्पारण)

प्रश्न 6. कौन-सा पेड़ अपनी छाल से कॉर्क प्रदान करता है?

उत्तर: कॉर्क ओक

प्रश्न 7. पेनिसिलिन की खोज किस वैज्ञानिक ने की थी?

उत्तर: अलेक्जेंडर फ्लेमिंग

प्रश्न 8. भारत के संविधान में राष्ट्रपति शासन का प्रावधान किस अनुच्छेद में है?

उत्तर: अनुच्छेद 356

प्रश्न 9. 'जो बहुत बोलता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?

उत्तर: वाचाल

प्रश्न 10. प्राथमिक उपचार में मामूली जलने पर प्रभावित स्थान को तुरंत किससे ठंडा करना चाहिए?

उत्तर: स्वच्छ पानी

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक

UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Constitution - कॉन्स्टिट्यूशन - संविधान
- 2 Democracy - डेमोक्रेसी - लोकतंत्र
- 3 Sovereignty - सॉवरेन्टी - संप्रभुता
- 4 Republic - रिपब्लिक - गणराज्य
- 5 Citizenship - सिटिज़नशिप - नागरिकता
- 6 Parliament - पार्लियामेंट - संसद
- 7 Legislature - लेजिस्लेचर - विधायिका



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक

Govt. UMS गोइती

बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "How long are you going to + V1?"

(तुम कितने समय तक ... करने वाले हो?)

तुम कितने समय तक पढ़ने वाले हो? – How long are you going to study?

तुम कितने समय तक यहाँ रहने वाले हो? – How long are you going to stay here?

तुम कितने समय तक इंतज़ार करने वाले हो? – How long are you going to wait?

तुम कितने समय तक यात्रा करने वाले हो? – How long are you going to travel?

तुम कितने समय तक इस परियोजना पर काम करने वाले हो? – How long are you going to work on this project?



संकलन:-

अभिनव राज

प्रधान शिक्षक

रा० प्रा० वि० शेखधुरवा

चनपटिया, प. चम्पारण



"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)



प्र.1. प्रतिवर्ष 16 अक्टूबर को 1945 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) की स्थापना की स्मृति में भुखमरी उन्मूलन और पोषण सुरक्षा हेतु कौन-सा वैश्विक दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: विश्व खाद्य दिवस (World Food Day)

व्याख्या: प्रतिवर्ष 16 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'विश्व खाद्य दिवस' (World Food Day) मनाया जाता है। 16 अक्टूबर 1945 को कनाडा के क्यूबेक शहर में संयुक्त राष्ट्र के 'खाद्य एवं कृषि संगठन' (FAO) की स्थापना की गई थी। नवंबर 1979 में एफएओ के 20वें आम सम्मेलन में इस दिवस को वार्षिक रूप से मनाने का निर्णय लिया गया। इसका प्राथमिक उद्देश्य वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा, भुखमरी और कुपोषण को समाप्त करने (SDG-2: Zero Hunger) के संकल्प को सुदृढ़ करना तथा संवहनीय कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देना है। भारत में 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013' और 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक रियायती व निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है।

संदर्भ: Food and Agriculture Organization (FAO) Official Portal; UN Sustainable Development Goal 2 Dossier;

प्र.2. अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल स्मृति पुरस्कार (Sveriges Riksbank Prize) 2026 नवाचार-आधारित आर्थिक संवृद्धि, संस्थागत सुधारों और वैश्विक आय असमानता के समाधान हेतु किस सैद्धांतिक मॉडल के शोधकर्ताओं को प्रदान करने की घोषणा की गई? (समसामयिक घटना)

उत्तर: आर्थिक संवृद्धि एवं संस्थागत अर्थशास्त्र अनुसंधान (नोबेल अर्थशास्त्र 2026)

व्याख्या: अक्टूबर 2026 में रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा 'अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में आर्थिक विज्ञान में स्वेरिजेस रिक्सबैंक पुरस्कार 2026' की घोषणा की गई। समिति ने उन प्रख्यात अर्थशास्त्रियों के योगदान को सम्मानित किया जिन्होंने यह सिद्ध किया कि मजबूत विधिक संस्थाएं, बौद्धिक संपदा का संवर्धन तथा समावेशी सामाजिक नीतियां किसी राष्ट्र की दीर्घकालिक जीडीपी वृद्धि और गरीबी उन्मूलन की वास्तविक रीढ़ होती हैं। उल्लेखनीय है कि मूल नोबेल वसीयत में अर्थशास्त्र का पुरस्कार शामिल नहीं था; इसे 1968 में स्वीडन के केंद्रीय बैंक द्वारा अपनी 300वीं वर्षगांठ पर स्थापित किया गया था। भारत की ओर से 1998 में प्रो. अमर्त्य सेन (कल्याणकारी अर्थशास्त्र) तथा 2019 में अभिजीत बनर्जी को इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा जा चुका है।

संदर्भ: The Royal Swedish Academy of Sciences Press Release October 2026;

प्र.3. छायावाद के प्रमुख आधारस्तंभ जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित वह कौन-सा अमर महाकाव्य है, जिसमें मनु, श्रद्धा (हृदय) और इड़ा (बुद्धि) के प्रतीकों के माध्यम से मानव सभ्यता के विकास और आनंदवाद की स्थापना की गई है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: कामायनी (1936)

व्याख्या: 'कामायनी' (1936) महाकवि जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित 15 सर्गों का आधुनिक हिंदी साहित्य का शीर्षस्थ छायावादी महाकाव्य है। इसकी कथा जल-प्लावन के उपरांत नई मानव सृष्टि के उद्भव पर आधारित है। इसमें मुख्य रूप से तीन प्रतीकात्मक पात्र हैं: 'मनु' (मानव मन के प्रतीक), 'श्रद्धा' (हृदय, प्रेम और आस्था की प्रतीक) तथा 'इड़ा' (तर्क, विज्ञान और भौतिक बुद्धि की प्रतीक)। कवि ने दिखाया है कि जब केवल बुद्धि (भौतिक विज्ञान) का अंधाधुंध विकास होता है तो समाज में संघर्ष और विनाश पैदा होता है; मानव जीवन का वास्तविक उत्थान तब संभव है जब ज्ञान, इच्छा और क्रिया का समरस समन्वय हो। कामायनी का अंतिम सर्ग 'आनंद सर्ग' इसी अखंड आनंदवाद की दार्शनिक प्रतिष्ठा करता है।

संदर्भ: जयशंकर प्रसाद, कामायनी, अमरी संस्कृत (नोबेल पुरस्कार विजेता), NCERT Hindi Class 12 (अंश 1, अध्याय 2)

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी दिए गए भौगोलिक क्षेत्र में पोषक स्तरों के बीच ऊर्जा प्रवाह, जैव-भार अथवा जीवों की संख्या को आरेखी रूप में प्रदर्शित करने वाले 'पारिस्थितिक पिरामिड' (Ecological Pyramid) की अवधारणा 1927 में सर्वप्रथम किस वैज्ञानिक ने प्रस्तुत की थी? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: चार्ल्स एल्टन (Charles Elton / एल्टोनियन पिरामिड)

व्याख्या: ब्रिटिश पारिस्थितिकी विज्ञानी चार्ल्स एल्टन ने वर्ष 1927 में अपनी पुस्तक 'एनिमल इकोलॉजी' में सर्वप्रथम पोषण संरचना को आलेखी रूप में समझाने हेतु 'पारिस्थितिक पिरामिड' की अवधारणा प्रस्तुत की, जिसके कारण इन्हें 'एल्टोनियन पिरामिड' भी कहा जाता है। ये पिरामिड तीन प्रकार के होते हैं: (1) संख्या का पिरामिड, (2) जैव-भार (बायोमास) का पिरामिड, और (3) ऊर्जा का पिरामिड। पारिस्थितिकी का एक सार्वभौमिक वैज्ञानिक नियम यह है कि 'ऊर्जा का पिरामिड सदैव सीधा (Upright) होता है', क्योंकि ऊष्मागतिकी के द्वितीय नियम के अनुसार एक पोषण स्तर से दूसरे स्तर पर जाने पर ऊर्जा की मात्रा अनिवार्य रूप से घटती है और कभी उल्टी नहीं हो सकती।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "परिवर्तन" (Ecosystem), p. 262-265; NCERT Science Class 10, Ch 15 "हमारा पर्यावरण", p. 258-261;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मध्य प्रदेश के मंडला (रामगढ़) क्षेत्र में अंग्रेजों की विशाल सेना से लड़ते हुए वीरांगना रानी दुर्गावती की परंपरा को पुनर्जीवित करने वाली महान वीरांगना कौन थीं? (इतिहास)

उत्तर: रानी अवंतीबाई लोधी (रामगढ़ की रानी)

व्याख्या: रानी अवंतीबाई लोधी (1831-1858) 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की अमर जननायिका थीं। वे मध्य प्रदेश के रामगढ़ की रानी थीं। उनके पति राजा लक्ष्मण सिंह के अस्वस्थ होने पर अंग्रेजों ने 'कोर्ट ऑफ वार्ड्स' लगाकर रामगढ़ राज्य पर अपना प्रशासक नियुक्त कर दिया था। 1857 का विद्रोह भड़कते ही रानी ने अंग्रेज प्रशासक को भगा दिया और 4,000 विद्रोही सैनिकों की सेना तैयार की। खेरी के मैदान में उन्होंने ब्रिटिश डिप्टी कमिश्नर वाडिंगटन की सेना को धूल चटा दी। बाद में जब रीवा की रियासत और ब्रिटिश कुमुक ने उन्हें देवहारगढ़ के जंगलों में चारों ओर से घेर लिया, तो आत्मसमर्पण कर बंदी बनने के बजाय 20 मार्च 1858 को उन्होंने अपनी ही कटार से वीरगति का वरण किया।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद"

प्र.6. हिमालय पर्वतमाला में सिक्किम राज्य को तिब्बत की चुंबी घाटी से जोड़ने वाला वह कौन-सा प्रसिद्ध सामरिक दर्रा है, जो प्राचीन 'रेशम मार्ग' (Silk Route) की एक उप-शाखा था और जिसे 2006 में व्यापार हेतु पुनः खोला गया था? (भूगोल)

उत्तर: नाथू ला दर्रा (Nathu La Pass)

व्याख्या: नाथू ला दर्रा पूर्वी हिमालय में सिक्किम राज्य और दक्षिणी तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के मध्य समुद्र तल से लगभग 4,310 मीटर (14,140 फीट) की ऊँचाई पर स्थित एक सामरिक पर्वतीय दर्रा है। तिब्बती भाषा में 'नाथू' का अर्थ सुनने वाले कान और 'ला' का अर्थ दर्रा होता है। यह दर्रा भारत-चीन सीमा पर द्विपक्षीय सीमा व्यापार के तीन आधिकारिक खुले व्यापारिक मार्गों (नाथू ला, शिपकी ला और लिपुलेख) में से एक है। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद इसे बंद कर दिया गया था, जिसे दोनों देशों की सहमति से 44 वर्षों बाद 2006 में पुनः खोला गया। यह सिक्किम की राजधानी गंगटोक को ल्हासा से जोड़ने वाला सबसे छोटा स्थलीय मार्ग है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (सामान्य ज्ञान भाग-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 11

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (CAG) के पद की स्थापना करता है, जिसे डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान का 'सबसे महत्वपूर्ण अधिकारी' कहा था? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 148 (Article 148)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-V में अध्याय-V के अंतर्गत 'अनुच्छेद 148' भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (Comptroller and Auditor General of India - CAG) के स्वतंत्र संवैधानिक पद का उपबंध करता है। कैग की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और उन्हें उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के समान प्रक्रिया (महाभियोग जैसी रीति) से ही पद से हटाया जा सकता है। कैग केंद्र और राज्यों दोनों स्तरों पर सार्वजनिक धन के व्यय की जांच करता है और संसद की 'लोक लेखा समिति' (PAC) के मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है। यह संस्था सुनिश्चित करती है कि संसद की अनुमति के बिना जनता के पैसे का एक रुपया भी अनुचित रूप से व्यय न हो।

संदर्भ: Constitution of India, Part V, Article 148;

प्र.8. किसी व्यक्ति को दूर की वस्तुएं तो स्पष्ट दिखाई देती हैं परंतु पास की वस्तुएं (जैसे पुस्तक पढ़ना) धुंधली दिखाई देती हैं; इस 'दीर्घ-दृष्टि दोष' (Hypermetropia) के निवारण हेतु किस प्रकार के लेंस के चश्मे का उपयोग किया जाता है? (विज्ञान)

उत्तर: उत्तल लेंस (अभिसारी लेंस / Convex Lens)

व्याख्या: दीर्घ-दृष्टि दोष (दूर-दृष्टि दोष / Hypermetropia) में पीड़ित व्यक्ति दूर स्थित वस्तुओं को तो स्पष्ट देख पाता है, परंतु निकट रखी वस्तुओं का प्रतिबिंब रेटिना के पीछे बनता है जिससे वे धुंधली दिखाई देती हैं। इसके दो मुख्य कारण होते हैं: (1) नेत्र लेंस की फोकस दूरी का अत्यधिक बढ़ जाना (लेंस का चपटा हो जाना); (2) नेत्र गोलक (Eye Ball) का आकार छोटा हो जाना। इसके निवारण हेतु उचित क्षमता वाले 'उत्तल लेंस' (Convex Lens) के चश्मे का उपयोग किया जाता है। उत्तल लेंस बाहर से आने वाली प्रकाश किरणों को पहले ही अभिसरित (कन्वर्ज) कर देता है, जिससे निकट बिंदु से चलने वाली किरणें सटीक रूप से दृष्टि-पटल (Retina) पर केंद्रित हो जाती हैं।

प्र.9. 11वीं शताब्दी में चंदेल राजवंश के प्रतापी राजा धंगदेव द्वारा मध्य प्रदेश के छतरपुर (खजुराहो) में पंचायतन शैली और नागर वास्तुकला में निर्मित भगवान शिव का विख्यात शिखर मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: कंदारिया महादेव मंदिर (खजुराहो)

व्याख्या: कंदारिया महादेव मंदिर मध्य प्रदेश के खजुराहो में स्थित चंदेल कालीन नागर स्थापत्य कला का सर्वश्रेष्ठ और सबसे भव्य मंदिर है। इसका निर्माण लगभग 999 से 1025 ईस्वी के मध्य चंदेल सम्राट राजा धंगदेव/विद्याधर के शासनकाल में हुआ था। यह मंदिर भगवान शिव (कंदारिया अर्थात् गुफा के स्वामी) को समर्पित है। इसकी मुख्य पहचान इसका 31 मीटर ऊंचा केंद्रीय मुख्य शिखर है, जो हिमालय की कैलाश पर्वतमाला की चोटियों के समान 84 छोटे-छोटे उप-शिखरों (उत्थुंगों) से घिरा हुआ है। मंदिर का गर्भगृह, अंतराल, महामंडप और अर्द्धमंडप एक ऊंचे जगती (अधिष्ठान) पर स्थापित हैं। इसकी दीवारों पर उकेरी गई मूर्तिकला अपनी सजीवता, अंग-सौष्ठव और आध्यात्मिक गहराई के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। 1986 में खजुराहो समूह को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 75-78;

प्र.10. 1937 में प्रांतीय चुनावों के पश्चात् बिहार में बनी पहली लोकतांत्रिक सरकार (काउंसिल ऑफ मिनिस्टर्स) के प्रथम प्रधानमंत्री (उस समय प्रीमियर) बनने वाले महान जननेता कौन थे? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: मोहम्मद यूनुस (बाद में डॉ. श्रीकृष्ण सिंह)

व्याख्या: भारत शासन अधिनियम 1935 के तहत 1937 में बिहार विधानमंडल के प्रथम आम चुनाव संपन्न हुए। कांग्रेस ने 152 में से 98 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया। परंतु आरंभ में राज्यपाल के विशेष विशेषाधिकारों के प्रयोग पर मतभेद के कारण कांग्रेस ने सरकार बनाने से मना कर दिया। फलस्वरूप 1 अप्रैल 1937 को 'मुस्लिम इंडिपेंडेंट पार्टी' के नेता मोहम्मद यूनुस बिहार के प्रथम अंतरिम प्रधानमंत्री (उस समय प्रांतीय सरकार के मुखिया को 'प्रीमियर/प्रधानमंत्री' कहा जाता था) बने। वे भारत के किसी भी प्रांत में सरकार का नेतृत्व करने वाले पहले मुस्लिम प्रीमियर थे। बाद में जब ब्रिटिश सरकार ने आश्वस्त किया कि राज्यपाल रोजमर्रा के शासन में हस्तक्षेप नहीं करेंगे, तो 20 जुलाई 1937 को डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस मंत्रिमंडल ने विधिवत शपथ ग्रहण की।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle & Constitutional



6





"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



Raksha Mantri Rajnath Singh says India's defence exports surged to over ₹38,000 crore; India to become global drone manufacturing hub

हिन्दी अनुवाद: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये से अधिक हुआ; भारत वैश्विक ड्रोन निर्माण केंद्र बनेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने टाइम्स नेटवर्क नेशनल डिफेंस कॉन्क्लेव 2026 में कहा कि भारत का रक्षा निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 38,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत को अगले कुछ वर्षों में वैश्विक ड्रोन निर्माण केंद्र बनना चाहिए। उन्होंने 14वें डिफेंस इंडिया स्टार्टअप चैलेंज (DISC-14) और iDEX के तहत चौथे ADITI चैलेंज भी लॉन्च किए। UPSC/BPSC के लिए: Defence exports — रक्षा निर्यात; iDEX — इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस; DISC — डिफेंस इंडिया स्टार्टअप चैलेंज। India's defence production rises to record ₹1.78 lakh crore; 75% modernisation budget earmarked for domestic procurement

हिन्दी अनुवाद: भारत का रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपये हुआ; आधुनिकीकरण बजट का 75% घरेलू खरीद के लिए निर्धारित। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का रक्षा उत्पादन 2014 में 40,000 करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपये हो गया है। आधुनिकीकरण बजट का 75% हिस्सा भारतीय उद्योगों से खरीद के लिए निर्धारित किया गया है। रक्षा बजट 2013-14 में लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2026-27 में रिकॉर्ड 7.85 लाख करोड़ रुपये हो गया है। UPSC/BPSC के लिए: Defence production — रक्षा उत्पादन; Atmanirbhar Bharat — आत्मनिर्भर भारत; Defence Acquisition Procedure — रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया। Next-Gen GST process reforms focus on simpler, faster and predictable compliance; 17-day refund timeline proposed

हिन्दी अनुवाद: नेक्स्ट-जेन GST प्रक्रिया सुधारों का फोकस सरल, तेज़ और पूर्वानुमेय अनुपालन पर; 17 दिन के रिफंड समय-सीमा का प्रस्ताव। 57वीं GST परिषद बैठक की सिफारिशों में पंजीकरण, रिटर्न, रिफंड और अधिनियमन से जुड़ी प्रक्रिया सुधार शामिल हैं। परिषद ने अभियोजन की सीमा 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये और सामान्य जुर्माना 25,000 से घटाकर 10,000 रुपये करने की सिफारिश की है। UPSC/BPSC के लिए: GST Council — वस्तु एवं सेवा कर परिषद; refund — रिफंड; compliance — अनुपालन।

INTERNATIONAL NEWS

Houthi strike Saudi Aramco headquarters; Saudi-led coalition intercepts missile over Riyadh; oil prices rise to three-week high

हिन्दी अनुवाद: हूथियों ने सऊदी अरामको मुख्यालय पर हमला किया; सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने रियाद के ऊपर मिसाइल रोक दी; तेल की कीमतें तीन सप्ताह के उच्चतम स्तर पर।

ईरान-समर्थित हूथी विद्रोहियों ने रातभर के हमले में सऊदी अरामको के मुख्यालय पर हमला किया, जिससे कंपनी के मुख्य कार्यकारी और अन्य शीर्ष अधिकारियों के कार्यालयों को नुकसान हुआ। सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने रियाद की ओर दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोक लिया। WTI कूड तेल की कीमतें तीन सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुँच गई। UPSC/BPSC के लिए: Houthi rebels — हूथी विद्रोही; Saudi Aramco — सऊदी अरामको; WTI — वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट।

Iran vows to fight until US accepts demands; ships sink in Hormuz; European Council condemns Houthi attacks

हिन्दी अनुवाद: ईरान ने अमेरिका की मांगें मानने तक लड़ने का संकल्प व्यक्त किया; होर्मुज़ में जहाज डूबे; यूरोपीय परिषद ने हूथी हमलों की निंदा की। ईरान ने कहा कि वह अमेरिका की मांगें मानने तक लड़ाई जारी रखेगा। होर्मुज़ जलडमरूमध्य में जहाज डूबने की खबरें आईं। यूरोपीय परिषद ने यमन और सऊदी अरब में हूथी हमलों, विशेष रूप से नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढाँचे को लक्षित करने वाले हमलों की निंदा की। UPSC/BPSC के लिए: European Council — यूरोपीय परिषद; Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; civilian infrastructure — नागरिक बुनियादी ढाँचा।

Saudi-led coalition strikes oil sites across western Yemen including Sanaa; UN says 800,000 people face food supply disruption

हिन्दी अनुवाद: सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने सना सहित पश्चिमी यमन में तेल स्थलों पर हमले किए; UN ने कहा 8 लाख लोगों को खाद्य आपूर्ति में व्यवधान का सामना।

सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने पश्चिमी यमन में तेल स्थलों पर हमले किए, जिनमें राजधानी सना भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, ईरान-समर्थित हूथियों और सऊदी-समर्थित यमनी सरकारी बलों के बीच बढ़ते युद्ध से क्षेत्र में लगभग 8 लाख लोगों को जीवन रक्षक खाद्य आपूर्ति में व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। UPSC/BPSC के लिए: Saudi-led coalition — सऊदी-नेतृत्व वाला गठबंधन; Sanaa — सना; food security — खाद्य सुरक्षा।

BIHAR NEWS

Bihar boat tragedy: 13 children die as boat capsizes in Ganga in Vaishali; PM announces ₹2 lakh ex-gratia, CM ₹4 lakh
हिन्दी अनुवाद: बिहार नाव हादसा: वैशाली में गंगा में नाव पलटने से 13 बच्चों की मौत; PM ने 2 लाख रुपये ex-gratia, CM ने 4 लाख रुपये की घोषणा की।

वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र के रामपुर श्यामचंद गाँव के पास मंगलवार रात लगभग 20 लोगों को ले जा रही एक नाव पलट गई। हादसे में 13 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य लोगों को रातभर चले बचाव अभियान के दौरान सुरक्षित बचा लिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 2 लाख रुपये की ex-gratia घोषित की, जबकि मुख्यमंत्री सप्रत चौधरी ने प्रत्येक शोक संतप्त परिवार को 4 लाख रुपये देने की घोषणा की। UPSC/BPSC के लिए: Boat capsize — नाव पलटना; Ex-gratia — अनुग्रह राशि; Inland waterway safety — अंतर्देशीय जलमार्ग सुरक्षा।

Bihar floods: Over 35 lakh hit in 14 districts as Ganga crosses highest flood mark at Sultanganj; CM visits Vaishali and Saran

हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 14 जिलों में 35 लाख से अधिक प्रभावित जैसे ही गंगा सुल्तानगंज में उच्चतम बाढ़ स्तर पार करती है; CM ने वैशाली और सारण का दौरा किया।

भागलपुर जिले के सुल्तानगंज में गंगा नदी ने अपना उच्चतम बाढ़ स्तर पार कर लिया, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ की चिंता बढ़ गई। 14 जिलों में 35 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। मुख्यमंत्री सप्रत चौधरी ने वैशाली और सारण के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और राहत-बचाव कार्यों की समीक्षा की। UPSC/BPSC के लिए: Flood management — बाढ़ प्रबंधन; Highest flood level — उच्चतम बाढ़ स्तर; Relief and rescue — राहत एवं बचाव।

SPORTS NEWS

West Indies beat India by 24 runs in 4th T20I; series levelled 2-2

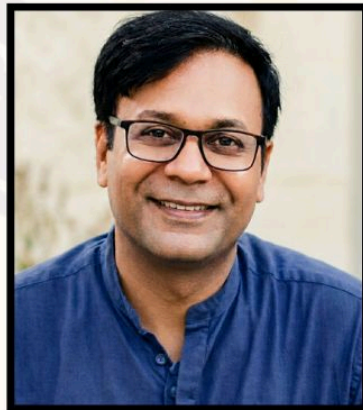
हिन्दी अनुवाद: वेस्टइंडीज़ ने चौथे T20I में भारत को 24 रन से हराया; श्रृंखला 2-2 से बराबर।

हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज़ ने 247/3 बनाए। शाई होप ने 50 गेंदों पर नाबाद 102 रन बनाए, जबकि कीमो पॉल ने पाँच विकेट लिए। भारत 248 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.3 ओवर में 223 रन पर सिमट गया। UPSC/BPSC के लिए: T20I — ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय; BCCI — भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड; Rajiv Gandhi International Stadium — राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम।

India vs West Indies 5th T20I to decide series winner; match to be played on October 16

हिन्दी अनुवाद: भारत बनाम वेस्टइंडीज़ पाँचवां T20I श्रृंखला विजेता तय करेगा; मैच 16 अक्टूबर को खेला जाएगा।

पाँच मैचों की श्रृंखला अब 2-2 से बराबर है और अंतिम मैच श्रृंखला विजेता तय करेगा। UPSC/BPSC के लिए: Series decider — श्रृंखला निर्णायक; Five-match series — पाँच मैचों की श्रृंखला।



संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण ।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करंट अफेयर्स ऑफ द डे)

“रक्षा में आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाई: भारत का रक्षा निर्यात ₹38,000 करोड़ पार”

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का रक्षा निर्यात 2013-14 में ₹686 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में ₹38,000 करोड़ से अधिक हो गया है। भारत अब लगभग 100 देशों को स्वदेशी रक्षा उत्पाद निर्यात कर रहा है और अम्मुनिशन वेरिफ़ाई में 90% से अधिक आत्मनिर्भरता हासिल कर चुका है।

दुर्गापूजा की छुट्टियाँ शुरू होने वाली थीं। विद्यालय में बच्चों के चेहरों पर खुशी थी। कोई ननिहाल जाने की बात कर रहा था, तो कोई मेले और खिलौनों की। तभी कक्षा के एक कोने में बैठा सोनू चुपचाप अपनी पुरानी कॉपी के पन्ने पलट रहा था।

शिक्षक ने पूछा तो पता चला कि सोनू छुट्टियों में कहीं नहीं जाने वाला था। उसके पिता मजदूरी करते थे और माँ घरों में काम करती थीं। त्योहार के दिनों में भी उन्हें काम करना पड़ता था। सोनू को चिंता थी कि छुट्टियों में पढ़ाई छूट जाएगी और लौटने पर वह अपने साथियों से पीछे रह जाएगा।

अगले दिन शिक्षक ने पूरी कक्षा को एक अनोखा काम दिया। उन्होंने कहा कि छुट्टियों में हर बच्चा कोई एक अच्छा काम करेगा—किसी बुजुर्ग की मदद, किसी पौधे की देखभाल या किसी जरूरतमंद बच्चे को पढ़ाना। लौटकर सब अपना अनुभव बताएँगे।

छुट्टियों के बाद जब बच्चे लौटे, तो किसी ने पेड़ लगाए थे, किसी ने दादी से पुरानी कहानियाँ सीखी थीं। सोनू ने अपने मोहल्ले के तीन छोटे बच्चों को रोज शाम पढ़ाया था। उन बच्चों के माता-पिता खुश होकर उसके लिए पुरानी किताबें और कॉपियाँ ले आए थे।

सोनू की आँखों में चमक थी। उसने जाना कि छुट्टियाँ केवल घूमने और खेलने का समय नहीं, बल्कि कुछ नया सीखने और किसी के जीवन में बदलाव लाने का अवसर भी हैं।

उस दिन शिक्षक ने बच्चों को समझाया कि त्योहार की असली खुशी केवल नए कपड़ों और मिठाइयों में नहीं, बल्कि दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने में है। प्रेरक सीख: छुट्टियाँ समय बिताने का नहीं, जीवन सँवारने का अवसर हैं। त्योहार तभी सार्थक बनता है, जब हमारी खुशियों में किसी दूसरे की खुशी भी शामिल हो।



.....✍
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण। 9





आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-21

सोचो... समझो... हल करो...

			8		7			
		5				9		
				6	1		7	
			5				9	
	4	3	6		8			
							8	1
5								9
			3	9				8
6	3				5	7		

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"जो व्यक्ति निरंतर प्रयास करता है, उसके लिए असंभव कुछ भी नहीं।"

— चाणक्य

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

1	9	8	6	7	2	3	4
7	8	6	2	4	3	9	5
3	2	4	9	5	1	8	7
8	8	1	8	7	2	4	9
9	4	3	6	1	8	5	2
2	6	7	4	3	9	8	1
5	1	8	7	2	4	3	9
4	7	2	3	9	5	1	8
6	3	9	1	8	5	7	4

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 5, श्लोक 22
ये हि संस्पर्शजा भोगा दुःखयोनय एव ते।
आद्यन्तवन्तः कौन्तेय न तेषु रमते बुधः॥

सरल हिन्दी अर्थ:

हे कुन्तीपुत्र (अर्जुन)! इंद्रियों और विषयों के संयोग से उत्पन्न होने वाले जितने भी भोग (क्षणिक सुख) हैं, वे सब वास्तव में दुःखों के ही कारण (योनि) हैं। वे सभी आदि और अंत वाले (नश्वर/अस्थायी) हैं; इसलिए बुद्धिमान और विवेकी मनुष्य उनमें कभी रमण (अंधा आसक्ति-भाव) नहीं करता।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ सुख और आनंद के मूलभूत अंतर को स्पष्ट करते हैं। इंद्रिय-जनित सुख बाहर से आकर्षक लगता है, परंतु उसके भीतर ही दुःख का बीज छिपा होता है:

- आद्यन्तवन्तः (अस्थायी स्वभाव): इंद्रियों का कोई भी सुख हमेशा नहीं टिकता। उसकी शुरुआत होती है और एक निश्चित अंत होता है। जो चीज़ समाप्त होने वाली है, वह समाप्त होते ही खालीपन, ऊब या वियोग का दुःख देकर जाती है।
- दुःखयोनयः (सुख में छिपा दुःख): क्षणिक सुख तीन चरणों में दुःख पैदा करता है:
 - a. पाने से पहले: उसे पाने की बेचैनी और तनाव।
 - b. भोगते समय: खो जाने या समाप्त होने का डर।
 - c. समाप्त होने के बाद: अधिक पाने की अतृप्त लालसा या पछतावा।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏



मंडे पॉजिटिव

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रगाढ़ शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चंपारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पौडीसफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चंपारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोटसर के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संस्कृत शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चंपारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह रौलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिम्ब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम छात्र पर पड़ेगा जो देश का भविष्य है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

एकदम शान्तिय
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक ज्ञानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलने लगा है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के समुदायिक संकल्प और समर्पण से यह पत्रिका हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों को प्रबंधन सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

यात कर रहे हैं। 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवस्थानी पंचायत के राजकीय उत्तराधिकार मध्य विद्यालय आसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। 'चंपारण ज्ञानाग्रह' को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर

- वेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि अखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाय तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफ़ी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सौ आठ अंक का से
बुका प्रकाशन



मूखला तैयार की, जिसका नाम रखा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'। इसको कुछ शिक्षा वाले बच्चों में शेयर किया रिमॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

आज हजारों के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिक एसिड का उत्सर्जन कहा से होता है, तबो का वर्गीकरण किसने किया। श्वेत परिपत्र में रबीय का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, धौंरणी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूर जगन्नाथ। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊँचाई देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सहायक शैक्षिक पत्रिका प्रकाश में आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के समुदायिक संकल्प और समर्पण से यह पत्रिका हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों को प्रबंधन सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के समुदायिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, सामुदायिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकें तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनवैशेषी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व ने आकार ले रही इस पत्रिका का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम निरं कुमार, सौर कुमार,



प्रखंड संसलन केंद्र बगहा दो - बोटसर

राय, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुसार सरल, रोचक और प्रभावी होती है। 'सत्यमेव जयते' से सदागिन

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सत्यमेव जयते' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मंडल विद्यालयों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवावारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। धृष्टन रम्य, वीडोज, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है। शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सराका



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

भारतीय संविधान के शिल्पका: डॉ. भीमराव आंबेडकर

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी सोचा है कि हमारे देश में सबको बराबरी से जीने, पढ़ने और आगे बढ़ने का अधिकार किसने दिया? वह कौन सा कानून है जो राजा से लेकर रंक तक सबको एक नज़र से देखता है? वह पावन ग्रंथ है—हमारा 'भारतीय संविधान'! और इस महान संविधान को लिखने वाले मुख्य शिल्पकार थे हमारे आदरणीय 'बाबासाहेब' डॉ. भीमराव आंबेडकर।

बाबासाहेब का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महु (सैन्य छावनी, जिसे आज 'डॉ. आंबेडकर नगर' कहा जाता है) में हुआ था। उनके पिता श्री रामजी मालोजी सकपाल सेना में सूबेदार और बहुत अनुशासनप्रिय व संस्कारी व्यक्ति थे। उनकी माता श्रीमती भीमाबाई अत्यंत धर्मपरायण, स्नेहमयी और ममता की मूरत थीं। चौदह भाई-बहनों में सबसे छोटे होने के कारण घर में सब बालक को प्यार से 'भीवा' कहकर पुकारते थे।

नन्हे भीवा बचपन से ही गज़ब के मेधावी और पढ़ने के शौकीन थे, लेकिन उस समय समाज में छुआछूत की बहुत बुरी कुरीति फैली हुई थी। स्कूल में नन्हे भीवा को कक्षा के बाकी बच्चों के साथ बैठने नहीं दिया जाता था; उन्हें अपनी बोरी खुद घर से लाकर कक्षा के बाहर ज़मीन पर बैठना पड़ता था। प्यास लगने पर वे स्कूल के नल या घड़े को छू भी नहीं सकते थे। जब चपरासी दूर से ऊपर से पानी डालता, तभी वे पानी पी पाते थे। जिस दिन चपरासी नहीं आता, उस दिन बालक भीवा को दिन भर प्यासा रहना पड़ता था। एक स्नेही शिक्षक महादेव आंबेडकर बालक की प्रतिभा से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अपना कुलनाम 'आंबेडकर' नन्हे भीमराव को उपहार स्वरूप दे दिया।

इन कटु अनुभवों से भीमराव टूटे नहीं, बल्कि उन्होंने तय कर लिया कि वे विद्या और ज्ञान को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएँगे। बड़ौदा के सहृदय महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ की छात्रवृत्ति पाकर वे सात समंदर पार अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स पढ़ने गए। उन्होंने अर्थशास्त्र और कानून में डॉक्टरेट (पीएच.डी.) की उपाधियाँ हासिल कीं। वे दिन में अठारह-अठारह घंटे केवल किताबें पढ़ते थे।

स्वतंत्रता के बाद जब भारत का नया संविधान बनाने का समय आया, तो पंडित जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल ने बाबासाहेब को संविधान प्रारूप समिति (ड्राफ्टिंग कमेटी) का अध्यक्ष और आज़ाद भारत का पहला कानून मंत्री बनाया। बाबासाहेब ने दिन-रात एक करके दुनिया का सबसे खूबसूरत और मजबूत संविधान तैयार किया, जिसमें महिलाओं, गरीबों, मजदूरों और शोषितों को बराबरी का अधिकार दिया गया।



शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





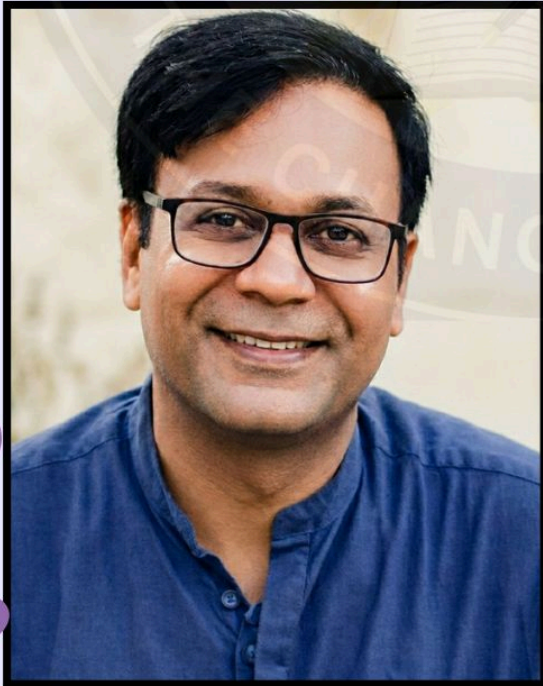
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

जो सुख बाहर की वस्तुओं या परिस्थितियों पर निर्भर है, वह
स्थायी शांति कभी नहीं दे सकता। अपने मन को तात्कालिक
उत्तेजनाओं के पीछे दौड़ाने के बजाय आंतरिक संतोष, स्वाध्याय
और कर्तव्य-निष्ठा के स्थायी आनंद में स्थिर रखिए।

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

